आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

बुनाई(knitting)

जय नीलकण्ठ स्वंय सहायता समूह ननैगाहर
वी. एफ. डी. एस. चोखंग

एस.एच.जी. नाम	: :	जय नील कंठ
वी.एफ.डी.एस.नाम	: :	चोखंग
एफ.टी.यू./ रेंज	: :	पट्टन
डी.एम.यू. /मंडल	: :	लाहौल
एफ.सी.सी.यू. / सर्किल	: :	कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबंधन एव ंआजीविका सुधार परियोजना

(जाईका वित्तपोषित)

अनुक्रमणिका

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	1-2
2	परिचय	3
3	स्वयं सहायता समूह की सूची	4
4	समूह का विवरण	5
5	ग्राम की भौगोलिक स्थिति	6-7
6	आय सृजन गतिविधि से सम्बंधित उत्पाद का विवरण	8
7	उत्पादन की प्रक्रिया	8
8	उत्पादन हेतु नियोजन	9
9	बिक्री का विवरण	10
10	समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण	11
11	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	12
12	उद्यम हेतु अनुमानित लागत	13-16
13	उद्यम हेतु लागत - लाभ विश्लेषण	16
14	समूह की वित्तीय आवश्यकता	17
15	समूह की वित्तीय संसाधन	17
16	सम विच्छेदन बिंदु की गणना (ब्रेक इविन प्वाइंट)	18
17	स्वयं सहायता समूह के नियमों की सूचि	18
18	समूह का सहमती पत्र	19
19	समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ	20

1. परिचय

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्धि संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत उपयुक्त है तथा अनेक छोटी-बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुंदरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी 70लाख है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग किलोमीटर है जो कि शिवालिक पहाड़ियों के ऊपरी हिमालय के शीत मरुस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ है।यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में लाहौल जिला पर्यटन कृषि व जड़ी-बूटी के लिए प्रसिद्ध है।.

गांव नैनगार, जिला लाहौल स्पीति ,हिमाचल प्रदेशमें स्थित है। लाहौल जिले की घाटियों को भौतिक संरचना के आधार पर तरह-तरह के नाम दिए गए हैं, जिसमें एक नाम पट्टन वैली है। गोहरमा लाहौल मुख्यालय से लगभग 49 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

नैनगार, मे लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है। अधिकतर लोगों के पास बहुत कम जमीन है, जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह अच्छे ढंग से नहीं हो पा रहा है।

जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नकदी फसल व बागवानी का कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं। गांव में लोग बुनाई का कार्य भी कर रहे हैं, परंतु उत्पादन पारंपरिक तरीके से होता है। इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए व उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उन्नत किस्म के यंत्रों के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त है, उनकी जानकारी की आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र एवं प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने गांव में ग्राम वन समिति चोखंग के गठन के बाद लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से 02 स्वयं सहायता समूहोंका गठन, "जय नीलकंठ स्वयं सहायता समूह" व "जय महादेव स्वयं सहायता समूह" के रूप में किया गया। इसके बाद "जय नीलकंठ स्वयं सहायता समूह" ने बुनाई का कार्य करने का निर्णय लिया। इस समूह में 11 सदस्य शामिल हुए।

स्वयं सहायता समूह की सूची-

क्रमांक	लाभार्थी का नाम व पता	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	सोनम पालमो	प्रधान	41	स्त्री	सातवीं	अनुसूचित जन जाति	9418434073
2	सोनम लडोन	सचिव	41	स्त्री	नवमी	अनुसूचित जन जाति	9418953099
3	कमला	सदस्य	51	स्त्री	द्सवी	अनुसूचित जन जाति	9418430673
4	हीरा	सदस्य	58	स्त्री	अशिक्षीत	अनुसूचित जन जाति	9418911302
5	चीरिंग डोलमा	सदस्य	83	स्त्री	अशिक्षीत	अनुसूचित जन जाति	9418911541
6	उषा	सदस्य	45	स्त्री	अशिक्षीत	अनुसूचित जन जाति	9418261773
7	अंजू देवी	सदस्य	47	स्त्री	सातवीं	अनुसूचित जन जाति	9418431103
8	बबिता	सदस्य	45	स्त्री	आठवीं	अनुसूचित जन जाति	9418772926
9	अंजू	सदस्य	46	स्त्री	द्सवी	अनुसूचित जन जाति	9459281351
10	छेरिंग डोलकर	सदस्य	41	स्त्री	दसवी	अनुसूचित जन जाति	8988970235
11	रजनी देवी	सदस्य	39	स्त्री	पाँचवी	अनुसूचित जन जाति	9418979186

2. स्वयं सहायता समूह विवरण-

1	समूह का नाम	लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह
2	ग्राम वन विकास समिति	गोहरमा
3	वन परिक्षेत्र / क्षेत्रीय तकनीकी इकाई	पट्टन
4	वनमंडल/ मंडलीय प्रबंधन इकाई	लाहौल
5	गांव	गोहरमा
6	विकासखंड	केलोंग
7	जिला	लाहौल- स्पीति
8	समान सूची समूह में कुल सदस्यों की संख्या	10
9	समूह के गठन की तिथि	
10	बैंक खाता संख्या	13260110030745
11	बैंक का नाम और शाखा जहां समूह का खाता संचालित है	
12	स्वयं सहायता समूह की मासिक बचत	100
13	कुल बचत	30000
14	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	0
15	नगदी जमा करने की सीमा	
16	चुकौती की स्थिति	6 महीने

3.ग्राम की भौगोलिक स्थिति –

1	जिला मुख्यालय से दूरी	49 किलोमीटर (लगभग)
2	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	जाहलमा ,21 किलोमीटर लगभग
3	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	केलोंग , 4 किलोमीटर
4	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू 132 किलोमीटर, मनाली 90 किलोमीटर
5	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का विक्रय/ विपणन किया जाएगा	उदयपुर, कुल्लू, भुंतर, मनाली
6	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के संबंध में गांव की कोई विशेष सूचना	कृषि व बागवानी, कोटी, जुराबें, स्वेटर बनाते हैं।
7	पिछले/ पूर्व और आगामी संपर्कों की स्थिति	लगातार बैठकर की जा रही है और बुनाई की जानकारी साझा की जा रही है

(1) व्यवसाय योजना की आवश्यता क्यों ?

ग्राम वन विकास समिति में महिलायों का पहले से गठित समूह है जिसमे समूह की सभी महिलाएं बुनाई (knitting) का कार्य करके अपनी आजीविका को बढाना चाहती है इसीलिए महिलायों ने समूह के माध्यम से JICA परियोजना से बुनाई (knitting) की मशीनों प्रदान करने तथा उचित प्रशिक्षण की मांग की है

(2) व्यवसाय योजना के उदेश्य :

समूह की सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना |
समूह के लिए निरंतर आय के साधन उपलब्ध कराना |
उत्पाद को उचित बाज़ार से जोड़ना |
सभी सदस्यों को समूह में काम करने के लिए प्रेरित करना |
बुनाई (knitting) व्यवस्या की नवीनतम एवं आधुनिक तकनीकों को बढावा देना |
आजीविका की बढोतरी |

(3) व्यवसाय योजना में निम्न कार्य शामिल हैं :

बुनाई (knitting) (कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि शामिल है |)

(4) सामुदायिक गतिशीलता :

इसके अंतर्गत ग्रामीणों में जागरूकता एवं सामुदायिक गतिशीलन के उपरान्त आजीविका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लिए लाभार्थीयों की छंटनी की गयी है |

(5) समूह का निर्माण :

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को एकत्रित कर समूह का गठन किया गया है तथा समूह का अध्यक्ष, सचिव व् कोषाध्यक्ष का सर्वसहमति से चुनाव किया गया है। समूह की सदस्यों की सहमती से समूह के लिए नियम एवं शर्तें निर्धारित करके उन्हें लागू करने का प्रावधान किया गया है।

(6) क्षमता का निर्माण :

लाभार्थियों की क्षमता निर्माण हेतु उनका उचित प्रशिक्षण करवाया जाना आवश्यक है।

(7) बुनाई (knitting) मशीन इत्यादि का वितरण :

समूह के सभी सदस्यों को अच्छी किस्म मशीने उपलब्ध करवाई जाए ताकि अच्छे ढग से कार्य कर सके।

(8) बाज़ार से जोड़ना :

अपने उत्पाद को बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व् निजि सोसाइटी से उचित शर्तों के साथ संबध स्थापित करने लिए तैयार है। विक्रय के लिए लोकल बाजारों के दुकानदारों से जोड़ कर, मेलों में प्रदर्शनी लगाकर और नेचर अवेयरनेस पार्क में दुकान लगाकर आय कमाने हेतु जोड़ा जाएगा। आधिक उत्पादन होने पर कुल्लू और मनाली बाज़ार के क्षेत्र में दुकानदारों से जुड़ कर कार्य करेगी।

(9) वितीय संस्थानों एवं संबधित विभागों से जोड़ना :

व्यवसाय को आगे बढाने के लिए समूह को वितीय संस्थानों से जोड़ने का पर्यास किया जाएगा तथा उन्हें विभिन्न बैंकों द्वारा दी जा रही ऋण सुविधाओं से अवगत करवाया जाएगा तथा परियोजना द्वारा बैंकों से जोड़ा जाएगा।

(10) बाज़ार की जानकारी :

उदेयपुर, केलोंग,भुन्तर,कुल्लू और मनाली बाज़ार के क्षेत्र में दुकानदारों के साथ जुड़ कर कार्य करेगी।

(11) अपेक्षित सहायता एवं संसाधन :

वित्तीय प्रबंधन : (पूंजीगत व्यय का 75 % श्रेणी बार परियोजना द्वारा सहायता दी जाएगी, शेष 25 % सदस्य द्वारा वहन किया जाए|
मानव : 11 सदस्य
तकनीकी : तकनीकी सहायता गाँव में ही मास्टर ट्रेनर लगाकर परियोजना द्वारा उचित प्रशिक्षण का प्रावधान परियोजना द्वारा दिया जाएगा |

(12) अनुमानित लाभ:

महिलायों के लिए घरेलू रोज़गार उपलब्ध होगा।
समूह के सभी सदस्यों के लिए आजीविका वर्धन का दीर्घ कालीन एवं निरंतर साधन उपलब्ध होगा।
समूह की महिलाएं इस कार्य को खाली एवं अतिरिक्त समय में कर सकती है |

4. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का वितरण-

1	उत्पाद का नाम	कोटी, स्वेटर, जुराबे, वेवी सैट,टोपी व मफलर
2	उत्पाद की पहचान की पद्धति	कुछ सदस्य बुनाई का कार्य पहले से ही करते हैं।
3	स्वयं सहायता समूह/समान सूची समूह/ सदस्यों की सामूहिक सहमति	हां।

5. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण-

सर्वप्रथम स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा कोटी, स्वेटर, जुराबे, बेबी सेट, टोपी वमफलर आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा।प्रशिक्षण के उपरांत समूह के सदस्य द्वारा उत्पाद तैयार करने में निमन प्रक्रिया की जाएगी:-

कोटी, स्वेटर, जुराबे, बेबी सेट, टोपी व मफलर तैयार करने की मशीनें लगवाऐंगे। इससे समय और उत्पादों की मजदूरी दर का खर्चा कम होगा।
।

6. उत्पादन हेतु नियोजन-

प्रति माह कार्य दिवस	:	30 दिवस
प्रति माह काम करने वाले व्यक्ति	:	11 व्यक्ति
कच्चे माल का स्रोत	:	केलोंग,कुल्लू
अन्य संसाधनों का स्रोत	:	केलोंग,कुल्लू

	उत्पादन चक्र (दिनों में) 30 दिन प्रतिदिन **3-4 घंटे** कार्य करेगें	45 कोटी 45 स्वेटर 120 बच्चों के सेट 120 जुराबे 120 टोपियाँ 60 मफलर

	प्रति चक्र कार्यकताओं की आवश्यकता (संख्या)	03 सदस्य कोटी के लिए 03 सदस्य स्वेटर के लिए 02 सदस्य बच्चों के सेट के लिए 01 सदस्य जुराबे के लिए 01 सदस्य टोपी के लिए 01 सदस्य मफलर के लिए
	कच्चे माल का स्त्रोत	केलोंग, कुल्लू,भुन्तर
	अन्य संसाधनों का स्त्रोत	केलोंग,कुल्लू ,शमशी, भुन्तर

नोटः स्वयं सहायता समूह के प्रशिक्षण का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाता है | तथा इस व्यवसाय योजना में शामिल नहीं है|

7.बिक्री का विवरण-

1.	सम्भावित बाजारों/स्थलों के नाम	केलोंग ,मनाली, कुल्लू और भुंतर
2.	उत्पाद की बिक्री हेतू गांव से दूरी	केलोंग 40 कि0मी0 कुल्लू 136 कि0मी0 मनाली 96 कि0मी0 भुन्तर 144 कि0मी0
3.	बजार में उत्पाद की अनुमानित मांग	कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि
4.	बजार को चिन्हित करने की प्रकिया	लोकल बाज़ार को चिन्हित किया गया है जैसे की केलोंग,मनाली, कुल्लू और भुंतर।
5.	मौसम मे परिवर्तन के अनुसार उत्पाद की मांग की स्थिति	मांग के अनुसार उत्पादन घटाया या बढाया जाएगा ।
6.	उत्पाद के संभावित खरीदार	स्थानीय निवासी
7.	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	गाँव व शेहर की महिलाएँ / पुरुष
8.	उत्पाद का विपणन तंत्र	सीधा सम्पर्क दुकानदारों से और गाँव की महिलाऐं और पुरषों के कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि की बुनाई।
9.	उत्पाद के विपणन हेतु रणनीति	1. कोटी, स्वेटर, बच्चों के सेट, टोपी, जुराबे इत्यादि की बुनाई मांग के अनुसार घटाएंगे या बढायेंगे| 2. समूह कार्य की निपुणता के आधार पर सदस्यों का चयन करेगा जैसे कि सिलाई, काज बटन लगाना, इत्यादि।

8.समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण-

प्रबंधन के लिए नियम बनाए जाएंगे |
समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का बंटवारा करेंगे |
बंटवाराकार्य की कुशलता एवं क्षमता के आधार पर किया जाएगा
लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवत्ता, कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा |
विपणन करने वाले सदस्यों को कुल बिक्री राशि पर 5% कमीशन दी जाएगी |
प्रधान व सचिव प्रबंधन का मूल्यांकन एवं अवलोकन समय-समय पर करते रहेंगे |

शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण (Swot Analysis)

शक्ति

महिलाओं में कार्य करने की लगन है।
पहले से ही कुछ सदस्य बुनाई का काम करते हैं।
समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्बलता

महिलाएं कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती है।
कार्य के लिए 2 से 3 घंटे का समय ही निकाल पाना।
समूह में कर रहे हो पहली बार कर रहे हैं।

अवसर

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ोतरी होगी।
उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
कुल्लू, मनाली, उदयपुर, त्रिलोकीनाथ, चंद्रताल पर्यटक स्थल है।
अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।

चुनौती

बाजार की स्थिति (डिमांड) को ना समझना।
अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।
उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।
अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यों में व्यवस्था।

9. संभावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण-

क्र0सं0	जोखिमों/चुनौतियों का विवरण	::	जोखिम कम करने के उपाय
1.	बाजार की स्थिति(डिमांड) को ना समझना।	::	समय-समय पर बाजार की मांग के अनुसार चलना।
2.	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	::	उपभोक्ताओं के मनपसंद उत्पाद तैयार करना।
3.	अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।	::	अन्य उत्पाद केंद्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शुरू में कम लाभ कमाना।
4.	उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।	::	उपभोक्ताओं से हमेशा संपर्क में रहना।
5.	कृषि, बागवानी व पशुपालन कार्य में ज्यादा व्यवस्था।	::	कृषि, बागवानी व पशुपालन और घर के अन्य कार्य में साथ साथ बुनाई में ध्यान देना।
6.	समूह में बंटवारा	::	समूह मैं बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना। पारदर्शिता से कार्य करना।
7.	उत्पाद की गुणवत्ता घटने से बिक्री कम हो सकती है।	::	गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समूह को उच्च मापदंड रखने होंगे।

10. उद्यम हेतु अनुमानित लागत एवं उत्पाद के विक्रय मूल्य की गणना-

1) पूंजीगत व्यय (सामान्य श्रेणी)

क्रमाक	गतिविधि	मात्रा	मुल्य	कुल व्यय	परियोजना अंश 75**%**	लाभार्थी अंश 25**%**
1	Card Knitting मशीन	**11**	**30000**	**330000**	247500	88500
	योग			**330000**	247500	88500

उपरोक्त पूंजीगत व्यय का लाभार्थी अंश नकदी के रूप में स्वयं वहन करेंगे|

2) **आवर्ती व्यय (एक चक्र के लिए) एक महीना लिया गया है** |

क्र0स0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1.	परिवहन खर्चा	-		L/S	1000
2.	किराया कमरा	महीना		L/S	1000
कोटी					
1	कच्चा माल धागा	किलोग्राम	30	700	21000
2	कच्चा माल बटन	नo	270	L/S	2700
3	मजदूरी	दिन	20	200	4000
4	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	1000
	कुल				**30700/-**
स्वेटर					
1	कच्चा माल धागा	किलोग्राम	30	700	21000
2	कच्चा माल बटन	नo	0	0	0
3	मजदूरी	दिन	20	200	4000
4	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	900
	कुल				**25900/-**

बच्चों के सेट					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	20	700	14000
2	कच्चा माल बटन	नo	0	0	0
3	मजदूरी	दिन	20	200	4000
4	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	650
	कुल				**18650/-**
जुराब					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	20	700	14000
2	कच्चा माल नायलॉन धागा	किलोग्राम	7	300	2100
3	कच्चा माल बटन	नo	0	0	0
4	मजदूरी	दिन	20	200	4000
5	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	650
	कुल				**20750/-**
टोपी और मफलर					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	15	700	10500
2	कच्चा माल बटन	नo	0	0	0
3	मजदूरी	दिन	20	200	4000
4	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	650
	कुल				**15100/-**
	योग				**1,11,000/-**

3)- उत्पादन की लागत (एक चक्र के लिए)

क0स0	विवरण	धनराशि (रू0)
1	कुल आवर्ती लागत	111000/-
2	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास	2750/-
	योग	**113750**

(4) विक्रय मूल्य की गणना / आंकलन (प्रतिचक्र):

क0स0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशी
1	**उत्पादन की लागत**				
	कोटी	नंबर	40	600	24000
	स्वेटर	नंबर	40	600	24000
	बच्चों के सेट	नंबर	50	150	7500
	जुराबे	नंबर	150	100	15000
	टोपी	नंबर	120	80	9600
	मफलर	नंबर	75	75	5625
	कुल लागत		475 नग		85725/-
2	**उत्पादन की अनुमानित विक्रय**				
	कोटी		40	1000	45000
	स्वेटर		40	1200	48000
	बच्चों के सेट		50	350	17500
	जुराबे		150	250	37500
	टोपी		120	160	19200
	मफलर		75	150	11250

	योग		475 नग		**178450/-**
3	**निर्धारित लाभ (प्रतिशत में)**				
	कोटी	40%	40	270	10800
	स्वेटर	40%	40	270	10800
	बच्चों के सेट	40%	50	60	3000
	जुराबे	50%	150	50	7500
	टोपी	50%	120	40	4800
	मफलर	50%	75	37.5	2812.5
	योग		475 नग		**39,712.5**

11. उद्यम लागत - लाभ विश्लेषण (एक चक्र के लिए) -

क0स0	मद	धनराशि (रू)
	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास (अ)	2750/-
	आवर्ती व्यय	
	किराया	1000
	परिवहन	1000
	कच्चा माल चेल्सी धागा	**80500**
	कच्चा माल नायलॉन धागा	2100
	कच्चा माल बटन	2700
	मजदूरी	20000
	अन्य खर्चा पैकजिग पानी ,बिजली ,स्टीकर ,इत्यादि	**113900**
	योग	**113900/-**
	कुल उत्पादन (नं0 में)	प्रतिमाह / 475 न0
	उत्पादन की विक्री मूल्य प्रतिमाह	**178450/-**
	उत्पादन की बुनाई से आय (475 नं0)	**178450/-**
	कुल लाभ = 1,78,450-(2750 + 1,11,000)	64700/-

	उत्पाद की बुनाई से सकल लाभ = कुल लाभ + (मजदूरी एवं कमरा किराया) = 64700 + (20000 + 1000)	85700/-

यह धनराशी मजदूरी व किराये की धनराशी के अतिरिक्त है | लाभ प्रति सदस्य का वितरण सदस्यों के मध्य सहमत अनुपात के आधार पर किया जाएगा |

12. धन की आवश्यकता -

समूह की वित्तीय आवश्यकता :

क0स0	मद	धनराशी (रु)
1	पूंजीगत व्यय	330000
2	अन्य व्यय	**5000/-**
	योग	335000/-

13.समूह के वित्तीय संसाधन –

क0स0	संसाधन का विवरण	धनराशी (रु)
1	परियोजना द्वारा सहायता कोष की धनराशी 75 % पूंजीगत व्यय	247500/-
2	लाभार्थी अंश 25% पूंजीगत व्यय	88500/-
	योग	330000/-

14.सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना -

ब्रेक इवन पॉइंट = पूंजीगत व्यय / विक्रय मूल्य – आवर्ती व्यय

= 330000 / 178450 -111000 = 330000 / 67450

=4.892 माह = 4.892 x 30 = 146 दिन

उपरोक्त अनुपात में 475 नग बुनाई करके देने पर "ब्रेक इवन पॉइंट" **146** दिनों में प्राप्त होगा! दुसरे शब्दों में इस गतिविधि में लगी गयी धनराशी **146** दिनों में प्राप्त हो जाएगा |

15. स्वयं सहायता समूह नियमो की सूची-

1. समूह का काम : **बुनाई (Knitting)**
2. समूह का पता : **गाँव नैंगाहर, डाकघर थिरोट, तहसील केलोंग, जिला लाहुल स्पिति, हिमाचल प्रदेश** |
3. समूह के कुल सदस्यः 11
4. समूह की मासिक बैठक हर माह की 10. तारिक को होगी |
5. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें
6. स्ंवय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
7. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
8. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से गेर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाऐगा
9. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
10. स्ंवय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें
11. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा
12. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें
13. अगर सदस्य किसी कारणवश समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ समता है अन्यथा नही
14. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
15. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए
16. स्ंवय सहायता समूह के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए
17. बड़ें ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी

समूह का सहमति पत्र

आज दिनांक 30-8-2022 को स्वयं सहायता समूह**"जय नीलकन्ठ "**की बैठक प्रधान"श्रीमती **सोनम पलमो**"की अध्यक्षता में हुई। जिसमें समूह के सभी सदस्यों ने सर्वसहमति से यह निर्णय लिया कि समूह की आय को बढ़ाने केलिए**"बुनाई"**(Knitting)का कार्य औरआजीविका सुधार योजना (JICA) से जुड़ने की सहमति प्रदान करते है।

प्रधान
सोनम पलमो
जय नीलकन्ठ स्वयम सहायता समूह
नैनगाहर

सचिव
Sonam Lador
जय नीलकन्ठ स्वयम सहायता समूह
नैनगाहर

Dmu-Cum- Division Forest Office
Lahoul at Keylong

President
VFDS Chokhang &
Naingahar, Distt. L&S (H.P.)

Recommend for approval
Range Forest Officer
Pattan Range
Jahalma

1 अन्जु देवी
2 रजनी
3 कमला देवी
4 सोनम डोलमा
5 बनीता
6 छेरिंग डोलकर
7 छेरिंग डोलमा
8 हीरा देवी
9 अन्जु
10 उषा

जय नीलकण्ठ स्वंय सहायता समूह के सदस्यों का चित्र-

1 अंजु देवी	2 रजनी	3 सोनम पलमो (प्रधान)	4 कमला देवी	5 सोनम लडोन (सचिव)
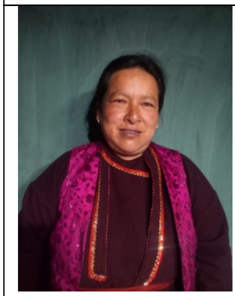				
6 बबीता	7 छेरिंग डोलकर	8 छेरिंग डोलमा	9 हीरा देवी	10 अंजु
10 उषा				

प्रस्ताव

आज दिनांक 1-2-2023 को ग्राम वन विभाग समिति की कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया जिसमे वन विभाग समिति के प्रधान , वन खंड अधिकारी वीरेंदर शर्मा और FTU Coordinator भी शामिल थे | इस बैठक में समुह के सभी सदस्य भी मौजूद थे और यह निर्णय लिया गया की मशीनों के मूल्यों मे हुए बदलाव के करण सर्व सहमती से busniss प्लान को संशोधित किया जाये |

इस सम्बन्ध में समूह द्वारा 3,30000/- का बिजनेस प्लान प्रस्तुत किया गया |

Chhering Dolkar
रजनी देवी
वनिता
अन्जू
छेरिंग डोलमा
कमला
छीरा
उषा
रजनी

VFDS Chairman
Chowkhang

President Chowkhang VFDS ... L&S (H.P.) Naingahar

Treasurer VFDS Chowkhang & Naingahar Distt. L&S (H.P)

Dmu-Cum- Division Forest Office
Lahoul at Keylong

Range Forest Officer
Pattan